1995. Another major project namely Provision of Mechanised facilities for handling thermal coal and construction of two coal berths has also been sanctioned at an estimated cost of Rs. 587.41 crores. The Consultants for preparation of detailed design and engineering for this project have since been appointed and the work of preparation of conceptual design is in progress. The project is being funded through Asian Development Bank (ADB) assistance to the tune of US$ 134.85 million. The project is scheduled to be completed by April, 1998.

प्रकाशस्तम्भ और दीप-नौका का कार्य

2251. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी**: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रकाश स्तम्भों और दीप-नौकाओं का विस्तृत ब्यौरा क्या है ;

(ख) प्राचीनतम और नवीनतम प्रकाश स्तम्भ और दीप-नौका का क्या नाम है और इन्हें कब स्थापित किया गया था ;

(ग) इनमें से प्रत्येक के क्या कार्य हैं;

(घ) क्या सरकार के पास इनके लिये कोई भावी योजना है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) से (ग) भारतीय प्रकाशस्तम्भ अधिनियम के अनुसार "दीपघर" में कोई ऐसा प्रकाश जलयान, कोहरा-संकेतक, बोया बीकन या कोई चिन्ह संकेत या साधित्र है, जो पोत के मार्गदर्शन के लिए प्रदर्शित या प्रयुक्त हो ।

प्रकाश पोत एक नौचालन साधन हैं जो समद्र अथवा हार्बर के प्रवेश मार्ग पर पोत के मार्गदर्शन के लिए स्थापित किया जाता है।

भारत का प्राचीनतम दीपघर लक्ष्यद्वीप में स्थित सिनिकॉय दीपघर है जो 100 वर्ष से भी अधिक पुराना है। नवीनतम दीपघर, वर्ष 1994 में प्रदर्शित किया गया जो अंदमान सागर में इंटरव्यू द्वीप में स्थित है।

दीपघरों का उद्देश्य नौचालन साधनों को सस्योग प्रदान करना है ।

(घ) और (ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, प्रकाश स्तंभों और अन्य नौचालन साधनों के विकास के लिए 57 करोड़ रु० का प्रावधान किया गया है । आठवीं योजना के दौरान मुख्य स्कीमों में मौजूदा प्राकाशस्तंभों का निर्माण और सुधार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नए दीप स्तंभों का निर्माण, रेल, रेडियो बीकन और विधि उपग्रह प्रणाली जैसे रेडियो नौचालन साधनों की स्थापना शामिल है ।

Construction of bridge at Shribargovindpur in Punjab

2252. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) what is the present position of the bridge under construction on Shrihargovindpur in Punjab and when it will be completed;

(b) what time and energy of people will be saved by completion of the above bridge which links Batala to Chandigarh via Hoshiarpur;

(c) whether any survey has been made in this regard; and

(d) if so, what are the reasons for delay in completing the Bridge?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The work on Srihargobindpur bridge is in progress. The bridge proper is likely to be completed by December 1995 and the approaches and guide funds by March, 1997 subject to availability of funds.